बगिया
(बचपन की)

युगेश्वरी साहू

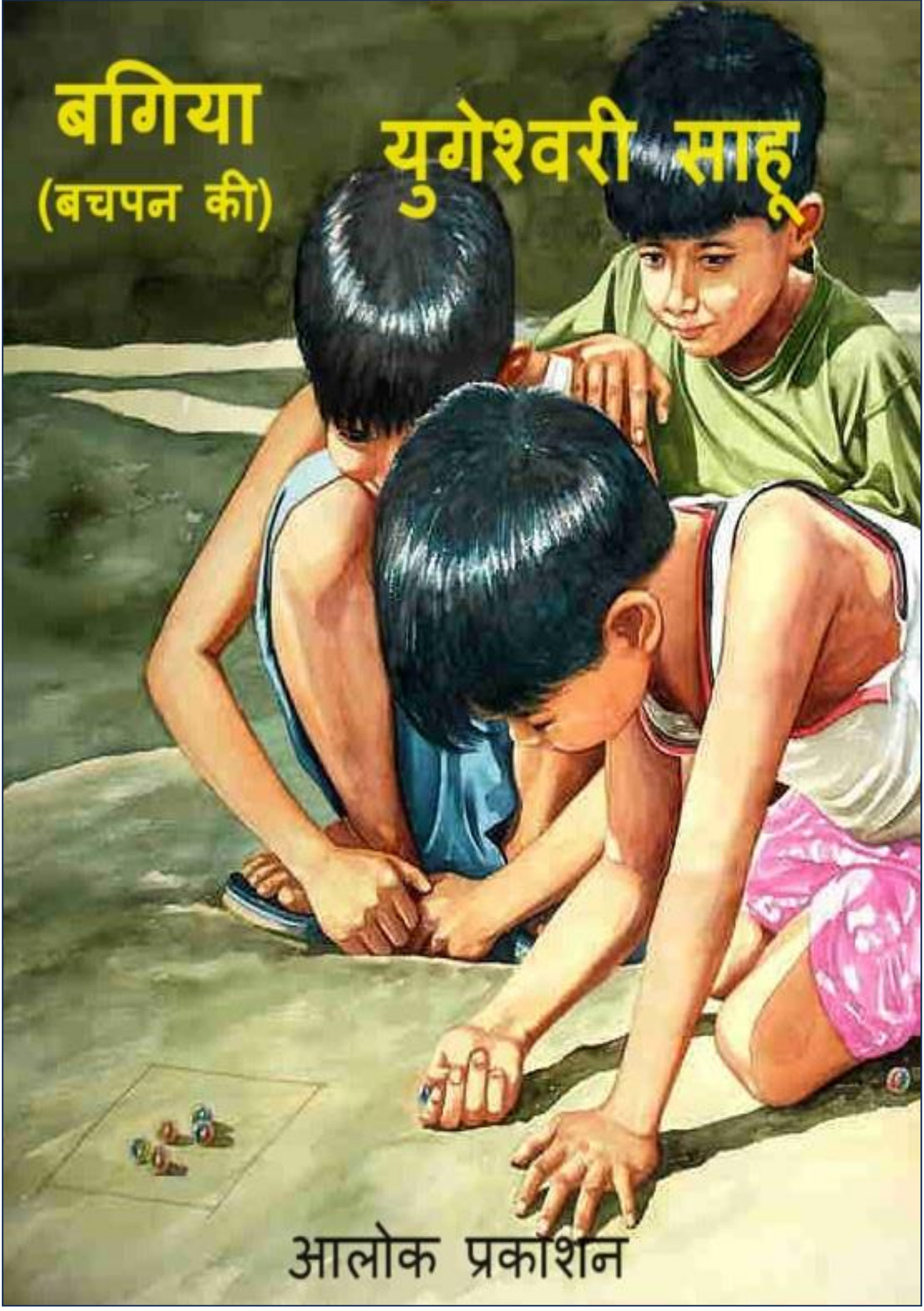

आलोक प्रकाशन

बगिया

(बचपन की)

युगेश्वरी साहू

C - युगेश्वरी साहू - 2023

आलोक प्रकाशन

अनुक्रमणिका

अपनी बात 5

मेरी पाठ शाला 6

बंदर मामा 8

खरगोश 9

हाथी 10

आम 11

जन्म दिन 12

जलेबी 13

बगिया 14

मेरी दादी 15

तिरंगा 16

कोयल 17

शरद पूर्णिमा 18

छूना है आसमान 19

पेड़ 20

नया सवेरा 21

खेल 22

भौंरा 23

दिल बच्चा है 24

मां 25

पापा 27

किसान 28

बाँसुरी 29

मकर सक्रांति 30

रक्षाबन्धन 31

सावन 33

तितली रानी 34

हाथी भालू 35

बादल 36

🌺 **मुर्गा-मुर्गी** 🌺 37
🌺 **चूहा बिल्ली** 🌺 38
🌺 **मोर** 🌺 39
🌺 **परिवार** 🌺 40

अपनी बात

प्रिय बच्चों.....

हमारा बचपन जीवन का एक अनोखा पल है. हमे किसी प्रकार की चिन्ता नही रहती. हमे खेलना घूमना मस्ती करना अच्छा लगता है. हमारी कई ख्वाहिशे होती है और बड़े बड़े सपने देखते हैं. मैं बचपन के मनोभावों को बाल कविता के माध्यम अपने शब्दों में ब्यक्त कर रही हूं.

युगेश्वरी साहू

🌺 मेरी पाठ शाला 🌺

मेरी पाठ शाला है सबसे प्यारी

तीन रंगों से सजी है हरियाली

पाठशाला में है गुरुजन चार

देते है हमको अच्छे संस्कार

प्रार्थना सभा मे राज्य गीत गाते

साथ मे राष्ट्र गान और गीत गाते

सभी बच्चों को बारी बारी बुलाते

सुविचार प्रतिदिन सुनाते

ज्ञान का भंडार मिलता

मध्यान्ह भोजन में आचार भी मिलता

तरह तरह के खेल भी खेलते

आपस मे मिलजुलकर रहते

मैडम कहानी कविता सुनाती

अच्छी अच्छी बात बताती

बाल सभा का होता आयोजन

शौक से आते है पालक जन

गुरुजन हमारा हौसला बढ़ाते

हमे आकर्षक पुरस्कार दिलाते

किचन गार्डन भी बना है

बैगन भिंडी भाजी लगा है

मनभावन है मेरी पाठशाला

यहाँ अध्ययन रहा ओ है किस्मतवाला

बंदर मामा

बंदर मामा बंदर मामा

बहुत सरारत करते हो

इस डाली से उस डाली कूदते

नही किसी से डरते हो

जंगल को छोड़ अब गांव

घरों की छत में तूम आते

बाड़ी की सभी फल सब्जियां

तुम चट कर जाते

दादा जी जब डंडे

लेकर तुम्हे दौड़ाते

खीस खीस करके

दांत दिखाते

छोड़ दो अपनी शैतानी

मत करो अपनी मनमानी

खरगोश

सफेद रंग का होता खरगोश

नटखट में भरा है पूरा जोश

फुदक फुदक कर चलता है

खूब चतुराई ओ करता है

नीली नीली आँखे इसकी

कोमल कोमल कान इसकी

गाजर घास पत्तीखाता है

बच्चों को बहुत भाता है

घरों में भी पाला जाता

आहट मिले तो कोने में छुप जाता।

हाथी

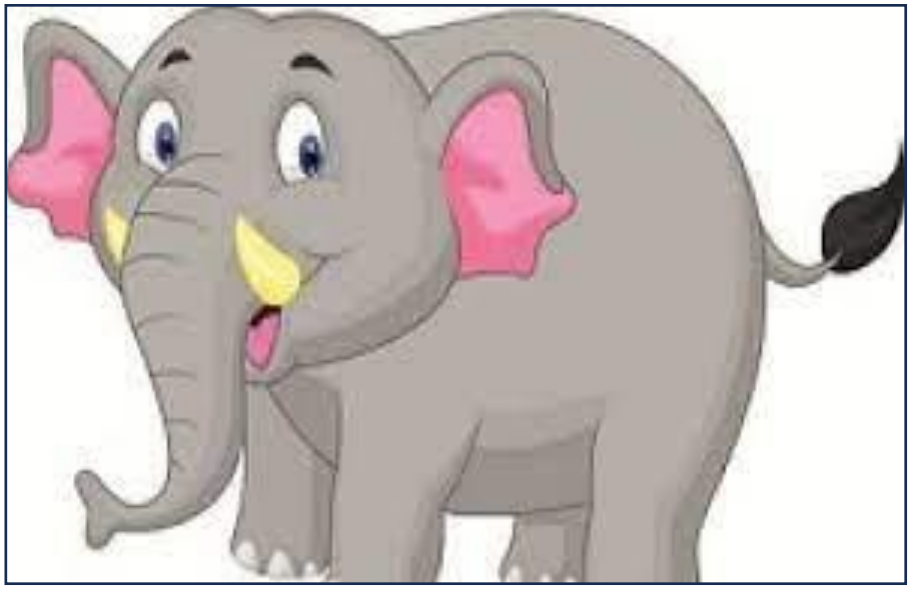

हाथी दादा कहा चले

सूंड हिलाते कहाँ चले

झूमते झूमते कहाँ चले

लगते हो तुम कितने भले

गन्ने पत्ती खाते हो

नदी में जाके नहाते हो

झूमते झूमते आते हो

सबको नाच दिखाते हो

हमारे गली में भी आना

सबका मन बहलाना

🌺 आम 🌺

फलों का राजा है आम

खट्टा मीठा ताजा है आम

बंदर मामा पेड़ हिलाते

पके पके आम गिराते

हरी हरी पीली पीली

आम होती कितनी रसीली

आम का अचार बनाते

बड़े मजे से सभी है खाते

🌺 जन्म दिन 🌺

जन्म दिन की धूम मचाएंगे

मिलकर जन्म दिन मनाएंगे।

घी का दीपक जलाएंगे

माथे पर तिकल लगाएंगे।

यज्ञ हवन कराएंगे

वातावरण को शुद्ध बनाएंगे।

मोमबत्ती नही बुझाएंगे

बड़ो से आशीर्वाद पाएंगे।

गौ माता को रोटी खिलाएंगे

अपने नाम का पौधा लगाएंगे।

आओ आओ पेड़ा मिठाई खाएंगे

जन्मदिन की धूम मचाएंगे।

🌺 जलेबी 🌺

आओ जलेबी खाये हम

ख़ाककर मजे उड़ाए हम।

गोल जलेबी लपटी लपटी

पतली पतली मोटी मोटी।

हलवाई चाचा इसे बनाता

बनाते बनाते मस्त हो जाता।

नानी के घर जलेबी ले जाएंगे

मामी मामा को भी खिलायेंगे।

देख जलेबी सबका मन ललचाता

तभी तो राष्ट्रीय मिठाई कहलाता।

🌺 बगिया 🌺

री बगिया के फूल रंग बिरंगी

लाल नीली पीली हरी सतरंगी।

भीनी भीनी फूलों का महकना

चु चु चिड़ियों का चहकना

तितली भी फूलों पर मंडराती है

उसकी रंगीन अदाएं पास नही आती है।

भौरे मेरे पास आकर गीत सुनाती है।

सभी मेरे मन को भाती है

बगिया देख नभ भी पुलकित हो रहा।

धरती पर आने के उत्सुक हो रहा।

बरखा रानी जब बगिया में बरसती है

पूरी बगिया हरी भरी महकती है।

🌺 मेरी दादी 🌺

मेरी दादी बड़ी सयानी

दादा जी के दिल की रानी

बच्चों की है बड़ी प्यारी

मधुर उसकी है वाणी

सिर के बाल सफेद हो गए

चलती है हाथों में डंडा लिए।

रोज सुनाती नई कहानी

अनुभव की है ओ खानी

पढ़ती है रामायण गीता

प्राचीन काल मे जो है बीता।

खिंचे कान जब हम करें शैतानी

मेरी दादी बड़ी सयानी

दादी जी के दिल की रानी।

🌺 तिरंगा 🌺

तिरंगा भारत की पहचान है

इसमें भारत माँ की जान है

तीन रंग से बना तिरंगा

लहर लहर लहराता है।

तीन रंग बहुत सुहाता

अशोक चक्र बहुत कुछ सिखाता है।

आओ तिरंगे का करे सम्मान

इस पर हो जाये कुर्बान।

सदा रहेगा तिरंगा देश की शान।

🌺 कोयल 🌺

कोयल देखो काली काली

उड़ती रहती डाली डाली

कुहू कुहू आवाज लगाती

मधुर आवाज सबको सुहाती

पेड़ो में बैठकर गीत गाती है

मीठे मीठे आम गिराती है

घर की छत पर जब कोयल बोले

सुनकर सबका तन मन डोले

कोयल देखो काली काली

उड़ती रहती डाली डाली।।

🌺शरद पूर्णिमा🌺

देखो देखो पूर्णिमा का चांद निकल आया

चारों तरफ चांदनी रात है छाया

आकाश में टीम टीम तारे कर रहे

चाँद को देख चकोर प्रेम बरसा रहे

पूर्णिमा की शीतलता हृदय को लुभा रहा

धरती में ओस की बूंदे मोती सा सजा रहा

शरद पूर्णिमा अमृत बरसा रहा

सभी के मन को हर्षा रहा।।

🌺 छूना है आसमान 🌺

हमको छूना है ऊंचे आसमान

हम भी बटोरेंगे तारे और चांद

चाहते है नील गगन को छूना

पंछियो की तरह आसमान में उड़ना

हम भी करेंगे अपने हौसले बुलंद

लेकर नई उत्साह और उमंग

दुनिया में आये है तो मे कुछ करेंगे

हम भी अपने देश का नाम ऊँचा करेंगे

साहस हमे भी दो और दो सम्मान

हमको भी छूना है ऊँचे आसमान

🌺 पेड़ 🌺

आओ पेड़ लगाए हम

जिंदगी को स्वास्थ्य बनाये हम

पेड़ से हरियाली छाएगी

तन मन मे ताजगी आएगी

पर्यावरण की संकट मिटायेंगे

चिड़िया पंछी खुशी मनाएंगे

फल फूल मिलेगा भरपूर

जड़ी बूटी से रोग भागेगा दूर

जन्म दिन पर पेड़ लगाए

धरती मैया को बचाये

🌺नया सवेरा🌺

सूरज उगा हुई अब भोर

फैला उजाला चारो ओर

तरु की ठंडी ठंडी हवा लेकर आया

मन मे नई उमंग और उत्साह जगाया

ओस की बूंदे मोतियों से चमक रही

चारो ओर चिड़िया चहक रही

नए दिन में चले नए पथ की ओर

लिए दृढ़ संकल्प और साहस बटोर

सैर करने चले खग छोड़कर अपना बसेरा

देखो आ गया है नया सवेरा

🌺 खेल 🌺

आओ खेलें तरह तरह के खेल

खो ,कबड्डी,या हो हॉकी का खेल

खेल में कितना मजा आता है

सबको खेल सुहाता है

खेल से मिलता शरीर को शक्ति

मन मे आता ताजगी स्फूर्ति

खेल में होती हार और जीत

समय भी जाती है जल्दी बीत

आओ खेल के बारे में सभी को बताएं

मिलकर सब खेल दिवस मनाएं

🌺 भौंरा 🌺

बगिया में भौंरा मस्त होकर घूमता

फूल परागों का वह रस चूसता

तन से होता है भौंरा कला

पर होता है वह दिलवाला

फूल कलियों को गीत सुनता

उस पर है अपना प्यार लुटाता

दोनों का है रिश्ता पुराना

भौरा होता फूल का दीवाना

मधुकर भी कहलाता भौंरा

सताओ तो काट जाता भौंरा।

🌺दिल बच्चा है🌺

मेरा दिल तो बच्चा है

भोला भाला सच्चा है

दिल मेरा कितना नादान है

छल कपट से अनजान है

इसका यही अंदाज तो अच्छा है

मेरा दिल तो बच्चा है

भोला भाला सच्चा है

हर पल ख्वाब बुनता है

अपनी चाहत को पूरी करता है

ठेस लगे तो घबरा जाता

खुशी मीले तो मचल जाता

तभी तो तजुर्बा कच्चा है

मेरा दिल तो बच्चा है

भोला भाला सच्चा है।।

🌺 मां 🌺

मां मेरी कितनी प्यारी है

भोली भाली न्यारी है

कितनी पीड़ा सहकर

मुझे दुनिया मे लाई

उसी का नाम मेरे

लबों पर पहले आई

उंगली पकड़कर चलना सिखाया

गुरु बनकर जीवन का पाठ पढ़ाया

गिर जाऊं तो सम्हलना

मुझे सिखाया

सच्चाई के राह पर

चलना सिखाया

शीतल ठंडी छाया मिलती

उसकी आँचल की छांव में

पूरा जन्नत समाया है

मेरी माँ की पॉव में

🌺 पापा 🌺

पापा मेरे सबसे प्यारे है

सारे जग से न्यारे है

कितना गहरा होता पापा का प्यार

पापा के बिना सूना संसार

पापा हम सबकी पहचान है

ईश्वर का वरदान है

संस्कार देकर जीना सिखाते

कुछ करने के काबिल बनाते

आस है होली दिवाली और ईदों की

पापा उम्मीद है खुशियों की

पापा के बिना सुना त्यौहार

पापा होते है सबका जीवन आधार

🌺 किसान 🌺

मेरे देश के मेहनती किसान

तुम हो सबसे बड़ा धनवान

धरती तुम्हारी माता है

मेहनत करना तुमको आता है

खून पसीना बहाते हो

कभी भूखा ही सो जाते हो

उगाए अन्न से भूख मिटती

अन्न ही तो है हीरे मोती

तुमसे ही है धरती हरा भरा खुशहाल

भारत माँ को करते हो मालामाल।

🌸 बाँसुरी 🌸

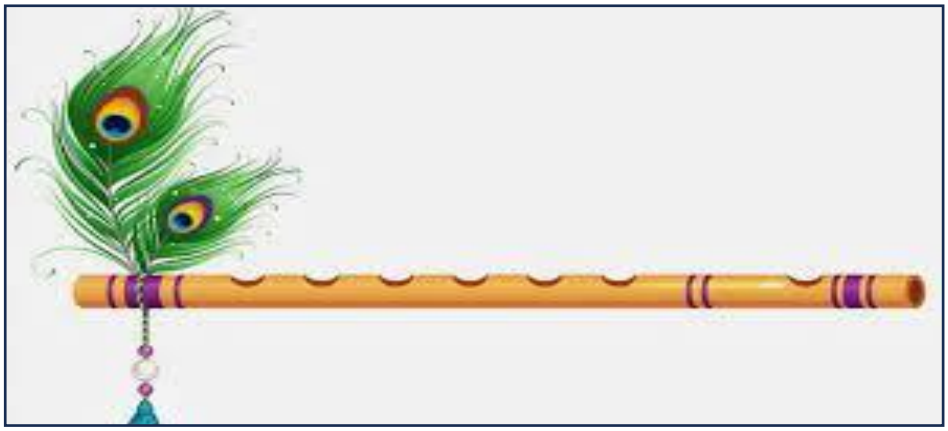

कृष्ण जी के हाथों में सोहे

बाँसुरी की धुन मन को मोहे

बंशी के दीवाने हम हो गए

शुध बुध हमारे खो गए

सुनकर बंशी की तान

गायें भी खड़े कर देती कान

नाचने लगते मधुबन में मोर

जंगल मे भी मचने लगा शोर

धुन में हो गई दीवानी

बरसाने की राधा रानी

गोपियां भी झूमने लगती

ब्रज में जब धुन है गूंजती

🌺 मकर सक्रांति 🌺

आज मौसम है बदला बदला

चल रही है ठंडी ठंडी हवा

आज का दिन है अति पावन

हर पल लगे मनभावन

लहरा रही नदियों का पानी

आगे बढ़ रही बलखाती

उड़ रही पतंग रंग बिरंगी

आसमान भी हो गया है सतरंगी

जाने किस दिशा में गया पतंग

अपने को ढूंढने में सभी है मगन

🌺 रक्षाबन्धन 🌺

सावन की झड़ी और

भाई बहन का प्यार

देखो आया रक्षाबंधन

का त्योहार

रंग बिरंगी राखी से

सजी है बाज़ार

जगह जगह पर है

मिठाई भंडार

हर घर मे चहल पहल है

सभी सजकर है तैयार

ससुराल से बहना आई

लेकर ढेर सारा प्यार

भाई की कलाई पर

बहना ने बांधा है प्यार

भाई बहन का प्रेम देखकर

खुश है पूरा परिवार

भैया से मिलने के लिए

बहना रहती है बेकरार

देखो देखो आया रक्षाबन्धन

का त्यौहार।

🌺 सावन 🌺

सावन आया मन को भाया

रिमझिम रिमझिम पानी बरसा

तन भी भीगा मन भी भीगा

फूल खिला गुलशन महका

बरस रही बरखा रानी

झूला झूले सखियां प्यारी

सावनी रात लगे मनभावन

दिन भी लगने लगे पावन

हरियाली छाई है चारो ओर

सुहावन लगने लगी है भोर

भौंरों की आवाज गूँजे चारों ओर

खुशियां छाई चारों ओर

🌸 तितली रानी 🌸

तितली रानी तितली रानी

लगती हो तुम कितनी प्यारी

रंग बिरंगी पंख तुम्हारी

कोमल कोमल तन तुम्हारी

बैठ फूल पर मंडराती हो

हाथ नही तुम आती हो

फूलों का रस चूसकर लाती

सबके मन को तुम भाती

तितली रानी तितली रानी

लगती हो तुम कितनी प्यारी।।

हाथी भालू

हाथी भालू गए बाज़ार

वहाँ से लेकर आये अचार

दोनों मिलकर खाये अचार

खाकर पड़ गए बीमार

लोमड़ी ने तब डॉक्टर बुलाया

थर्मामीटर तुरन्त लगाया

डॉक्टर ने फिर सुई लगाया

थोड़ी देर में दवा पिलाया

हाथी भालू ने फिर नाच दिखाया।

🌺 बादल 🌺

घुमड़ घुमड़ करते बादल आता

बच्चे बूढ़े सभी को डराता

काली घटा जब छा जाती

मोती जैसे बूंदे बरसाती

धरती माँ की प्यास बुझाती

पेड़ पौधों फसलों में जान आती

सभी तरफ हरियाली छा जाती

सब जीवों की गर्मी मिट जाती

जलद मेघ पयोधर कहलाता

तरह तरह का नाम सुहाता

घुमड़ घुमड़ करते बादल आता

बच्चे बूढ़े सभी को डराता।

मुर्गा-मुर्गी

मुर्गा बोला कुकडु कु कुकडु कु

बड़े सवेरे बोला कुकडु कु कुकडु कु

ऊचां ऊंचा सिर है इसका

लाल लाल चोंच है इसका

मुर्गी गली गली में खोजे दाना

अपने बच्चों को खिलाती दाना

सफेद सफेद अंडे देती

दबड़े में है इसको सेती

गली गली में घूमते रहती है

कभी नही वह थकती है।

🌺 चूहा बिल्ली 🌺

रसोई से जब आवाज सुनाई

मम्मी दौड़ी दौड़ी आई

चूहे बिल्ली में हो रही थी लड़ाई

हो रही थी दोनों में मार पिटाई

मम्मी बोली क्यो लड़ रहे हो भाई

दोनों ने अपनी दुखड़े सुनाई

जमीन पर गिरी थी दूध मलाई

मम्मी ने की दोनों की धुलाई

चूहा बिल्ली फिर दौड़ लगाई।

🌺 मोर 🌺

पक्षियों का राजा होता मोर

जंगल मे शोर मचाता मोर

रंग बिरंगी पंख फैलाता मोर

चुपके से पास आता मोर

सावन की घटा देखकर नाचे मोर

सबसे सुंदर कहलाता मोर

सिर पर कलगी सजाता मोर

किहुँ किहुँ का शोर मचाता मोर

सबके मन को भाता मोर

राष्ट्रीय पक्षी कहलाता मोर

🌺 परिवार 🌺

दादा दादी का प्यार दुलार

चाचा चाची का स्नेह प्यार

भाई बहन का झगड़ा टकरार

माता पिता का डांट फटकार

बच्चों से बढ़ता है प्यार

यही तो है प्यारा परिवार

मां है ममता की मूरत

पिता है ज्ञान का सूरत

जब सबका मिले विचार

घर आंगन में आता है बहार

सब मिलकर करें सपनो को साकार

यही तो है प्यारा परिवार।

युगेश्वरी साहू

सहायक शिक्षक

शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पवनी

विकासखंड बिलाईगढ़

सारंगढ

मोबाइल नम्बर - 7697130820